दिनांक 05, दिसम्बर, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

वन्य जीवों को सर्दी के मौसम में सर्दी से बचाने के लिए प्राणि उद्यान द्वारा सभी आवश्यक इन्तजाम उपाय कर लिये गये हैं। वन्य जीव आराम से जमीन पर बैठ सकें, लेट सकें एवं सो सकें। इसके लिए जमीन पर पुआल/घास एवं बोरे बिछा दिये गये हैं। छत से ओस एवं ठण्डी हवाओं से बचाव के लिए अनेक आवश्यक बाड़ों पर शीट अथवा चटाई लगायी गयी है। इसके लगाने से बाड़ों के अंदर विशेषकर पक्षी बाड़ों में छतों पर शीट एवं चटाई लगायी गयी है। ठण्डी एवं सर्द हवाओं से बचाने के लिए खिड़कियों में चटाई लगाकर अनेक बाड़ों को पैक कर दिया गया है। वन्य जीवों को सर्दी से बचाने के लिए एवं उनके शरीर को मजबूत रखने के लिए धूप अत्यन्त आवश्यक होती है। अतः जिन बाड़ों में धूप की आवश्यकता थी विशेषकर शुतुरमुर्ग, पक्षी बाड़े, तोता लाइन एवं मगरमच्छ इत्यादि में पेड़ों की शाखाओं की छटाई इस तरह से करायी गयी है कि वन्य जीवों को पर्याप्त मात्रा में धूप मिल सके। अनेक वन्य जीव जो घरों के अंदर डिस्प्ले में रहते हैं वह बन्द कर दिये जाते हैं। उनमें हीटर लगाया गया है। यह हीटर सांप घर, उल्लू घर, मछली घर, शेर, व्हाइट टाइगर, लॉयन टेल बन्दर, चिम्पान्जी इत्यादि में लगाये गये हैं। चिम्पान्जी को कम्बल भी दिया गया है, यदाकदा वह कम्बल ओढ़कर बाहर भी बैठा रहता है। इसके अतिरिक्त वन्य जीवों के शरीर को गर्मी देने तथा उनकी सर्दियों कैलोरी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए खाने की खुराक बढ़ा दी गयी है। इसके अतिरिक्त अनके वन्य जीवों को सर्दी में अण्डा दिया जा रहा है जिनमें मुख्यतः शुतुरमुर्ग, एमू, गोल्डेन–यलो मकाऊ, चिम्पान्जी, लॉयन टेल मंकी आदि हैं। शाकाहारी वन्य जीवों में गर्मी देने वाले पदार्थ यथा सीजनल साक–सब्जी, फल एवं फली आदि की मात्रा बढ़ा दी गयी है। इन उपायों से वन्य जीवों को ठण्ड से बचाने का पूरा इन्तजाम प्राणि उद्यान प्रशासन द्वारा किया गया है। इसके अतिरिक्त डाक्टरों एवं कीपरों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है एवं वन्य जीवों को खाने के साथ विटामिन्स, मिनिरल्स, कैल्शियम आदि की अतिरिक्त मात्रा भी दी जा रही है।

(–ह0–)
(अनुपम गुप्ता)
निदेशक
न0वा0अ0शा0प्राणि उद्यान, लखनऊ